

रेल विकास प्राधिकरण

प्रिलमिस के लिये:

रेल विकास प्राधिकरण

मेन्स के लिये:

रेल विकास प्राधिकरण के कार्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रेल, वाणज्य और उद्योग मंत्री ने राज्यसभा में रेल विकास प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी दी।

मुख्य बदि:

- रेल, वाणज्य और उद्योग मंत्री द्वारा राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार ने अप्रैल 2017 में रेल विकास प्राधिकरण के गठन को मंजूरी प्रदान की थी।
- रेल विकास प्राधिकरण केंद्र सरकार को नमिनलखिति के संबंध में नरिणय लेने के लिये सलाह प्रदान करेगा-
 - लागत के साथ-साथ सेवाओं का मूल्य नरिधारण।
 - गैर-करिया राजस्व बढ़ाने के उपाय।
 - सेवा गुणवत्ता और लागत अनुकूलन क्षमता सुनश्चिति करके उपभोक्ता हतियों की सुरक्षा।
 - प्रतस्पर्द्धा, दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना।
 - बाज़ार विकास और रेल क्षेत्र में हतिधारकों की भागीदारी को प्रोत्साहति करना तथा हतिधारकों एवं ग्राहकों के बीच उचित सौदा समझौता सुनश्चिति करना।
 - नविश के लिये सकारात्मक माहौल बनाना।
 - रेल क्षेत्र में संसाधनों के कुशल आवंटन को बढ़ावा देना।
 - अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के खलिफ सेवा मानकों की बेंचमार्कगि करना साथ ही उन्हें प्रदान की गई सेवाओं की गुणवत्ता, नरितरता एवं वशिवसनीयता के संबंध में मानकों को नरिदषिट और लागू करना।
 - भवषिय में समरपति फ्रेट कॉरडिओर और बुनयिदी ढाँचे का नरिमाण करना और सभी व्यक्तियों को गैर-भेदभावपूर्ण अवसर प्रदान करना।
 - वांछति दक्षता और प्रदर्शन मानकों को प्राप्त करने के लिये नई तकनीकों के संबंध में उपाय सुझाना।
 - कसिी भी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये मानव संसाधन विकास के संबंध में उपाय सुझाना।

रेलवे द्वारा कयि जा रहे अन्य प्रयास:

गैर करिया राजस्व आय बढ़ाने हेतु प्रयास:

गैर-करिया राजस्व आय बढ़ाने के लिये भारतीय रेलवे ने मोबाइल आधारति कमरशयिल पब्लसिटि, आउट ऑफ होम एडवरटाइजगि, रेल डसिप्ले नेटवरक, अनसॉलटिड प्रपोजल और मांग आधारति प्रस्ताव जारी कयि हैं।

- इसके अलावा गैर-करिया राजस्व आय बढ़ाने के लिये जोनल रेलवे महाप्रबंधकों को पूर्ण अधिकार सौंपे गए हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर मंडल रेल प्रबंधकों/अतरिकित रेलवे प्रबंधकों को उप-प्रतनिधि के रूप में शक्तयि सौंप सकते हैं।
- रेलवे के भूमि संसाधनों से गैर-करिया राजस्व जुटाने के लिये तत्काल परचालन ज़रूरतों के लिये खाली रेलवे भूमिका वाणज्यिक विकास, रेल भूमि विकास प्राधिकरण के माध्यम से कयि जा रहा है।
- समय-समय पर गैर-करिया राजस्व आय के प्रदर्शन की समीक्षा भी की जाती है।

भारतीय रेलवे की दक्षता और प्रदर्शन मानकों को बढ़ाने हेतु प्रयासः

- भारतीय रेलवे की दक्षता और प्रदर्शन मानकों को बढ़ाने तथा अधिक जवाबदेही तय करने के लिये रेलवे बोर्ड एवं प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे/उत्पादन इकाइयों के बीच वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जा रहे हैं।
- इन समझौता ज्ञापनों के तहत सभी क्षेत्रीय रेलवे/उत्पादन इकाइयों पर मुख्य प्रदर्शन संकेतकों (Key Performance Indicators-KPIs) के लक्ष्य को प्राप्त करने का कार्य करते हैं।
- ये KPIs अंतर-परिचालन, वित्तीय प्रदर्शन, बुनियादी ढाँचा निर्माण कार्य, क्षमता उपयोग, परसिंपत्ता के रखरखाव और विश्वसनीयता से संबंधित होते हैं।
- मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से प्रदर्शन का मूल्यांकन और उसकी निगरानी नियमि रूप से की जाती है।
- प्रदर्शन के संबंध में क्षेत्रीय रेलवे/उत्पादन इकाइयों द्वारा मुद्दों और बाधाओं का भी नियमि रूप से आकलन किया जाता है। जनिका प्रायः सामना किया जाता है।

भावी आवश्यकताः

- वर्तमान समय में रेलवे के लिये यह आवश्यक है कि वह माल-भाड़ा अथवा करिाए की दरों में वृद्धि न करके नवीनतम कारोबारों के लिये इनके मूल्यों में कमी करे। इससे संगठन का निगिमीकरण हो होगा तथा यह व्यावसयकि तरीके से कार्य करेगा। यदि भारत के पास उपयुक्त कॉर्पोरेट योजना है तो नसिंसंदेह ऐसा किया जा सकता है।

स्रोत- पीआईबी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/railway-development-authority>

